Kumbhirgram airport. Expansion and modification of the terminal building has been taken up at an estimated cost of Rs. 3.87 crores by Airports Authority of India.

(d) and (e) There are plans for extension of the runway during the 9th plan period, subject to availability of land. A provision of Rs. 5 crores has been kept in the 9th plan for this purpose.

Operating of daily flights between Guwahati and other important cities

3205. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR: : Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Indian Airlines has been operating daily flight between Guwahati and other important cities of country;

(b) if so, details thereof and if not, reasons therefor;

(c) whether Government propose to increase daily flights between Guwahati and other important cities of country in future; and

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) to (b) Guwahati is airlinked with Calcutta and Delhi from where air connections to other important cities are available. Indian Airlines is, however, operating following flights effective 31.3.97 from/to Guwahati:—

	Frequency per week
Delhi/Bagdogra/Guwahati/Delhi	Thrice
Delhi/Guwahati/Imphal/Delhi	Twice
Calcutta/Guwahati/Calcutta	Ten
Calcutta/Imphal/Guwahati/Calcutta	Twice
Agartala/Guwahati/Agartala	Thrice

(c) and (d) Due to non-availability of spare aircraft capacity, Indian Airlines, has currently no plans to increase service between Guwahati and other important cities in the country. Private operators are, however, being encouraged to add more stations to their networks.

स्वर्णाभूषणों का निर्यात

3206. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कितने मूल्य के स्वर्णाभूषणों का निर्यात किया गया और इस संबंध में वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस अवधि के दौरान स्वर्णाभूषणों के निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई;

(ग) क्या सरकार स्वर्णाभूषणों के निर्यात में वृद्धि करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) और (ख) गत तीन वर्षों के दौरान विदेशों को निर्यात किए गए स्वर्णाभूषणों का कुल मूल्य और उससे अर्जित विदेशी मुद्रा इस प्रकार है:

(मिलियन यू एस डालर में मूल्य)

मद	93-94	94-95	95-96	96-97
स्वर्ण	308.60	421.20	480.40	158.21 (अप्रैल-जुलाई)

स्रोतः 1993-94, 1994-95, 1995-96 और 1996-97 (अप्रैल-जुलाई) के लिए डीजीसीआई एंड एस० 1996-97 के लिए सम्पूर्ण आंकड़े अभी डीजीसीआई एंड एस द्वारा पूरे किए जाने बाकी है।

(ग) तथा (घ) स्वर्णाभूषण भारत सरकार द्वारा एक अत्यन्त ध्यान देने योग्य उत्पाद के रूप में अभिज्ञात किये गये है और यह हमारे निर्यातों का एक ग्रस्ट क्षेत्र है। तदनुसार, सरकार ने इस क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए है, जिनमे शामिल हैः निर्यात आयात नीतियों की अच्छी ट्यूनिंग, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर कच्चे माल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित कराना; निर्यातकों को स्वर्ण की उपलब्धता बढ़ाना; निर्यातकों को अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्ण प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना तथा बाजार विकास और संवर्धनात्मक क्रियाकलापों के लिए रत्न तथा आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद् को अनुदान देने सहित आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना।

सब्जियों और फलों के निर्यात के लिए निगम की स्थापना किया जाना

3207. **श्री ईश दत्त यादवः** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार सब्जियों और फलों के निर्यात करने के प्रयोजन से किसी निगम की स्थापना करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

निर्यातोन्मुख औद्योगिक इकाइयों का योगदान

3208. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1995-96 के दौरान देश में निर्यातोन्मुख औद्योगिक इकाइयों द्वारा देश के कुल आयात-निर्यात व्यापार का मात्र नौ प्रतिशत व्यापार किया गया;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है और वर्ष 1995-96 के दौरान उक्त इकाइयों द्वारा कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई थीं; और

(ग) क्या यह भी सच है कि निर्यातोन्मुख इकाइयां होने के कारण ये इकाइयां सरकार से अनेक रियायतें भी प्राप्त कर रही है, यदि हां, तो उक्त वर्ष के दौरान इन्हें कुल कितनी धनराशि की रियायतें प्रदान की गई?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) और (ख) निर्यातोन्मुख एककों ने वर्ष 1995-96 के दौरान देश में कुल आयात-निर्यात व्यापार का 4.67% व्यापार नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार किया है:—

(रुपए करोड़ों में)

	निर्यात	आयात	कुल
भारत	106,469	121,647	228,116
निर्यातोन्मुख एकक	6,999	3,652	10,651

निर्यातोन्मुख एककों ने वर्ष 1995-96 के दौरान 6999 रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित की थी।

(ग) इन एककों को उपलब्ध मुख्य वित्तीय रियायतों में शामिल हैं-पूंजीगत सामान, कच्चा माल और उपभोक्ता वस्तुएं शुल्क मुक्त मिलना और कार्यचालन के प्रथम 8 वर्षों के दौरान 5 वर्ष की अवधि के लिए निगमित कर से छुट्टी मिलती है। चूंकि निर्यात उत्पादन के लिए निविष्टियों पर शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं है इसलिए इन वर्षों के दौरान बदलते शुल्क ढांचे को ध्यान में रखते हुए, राशि का अनुमान लगाना कठिन होगा।

Export Oriented Units

3209. SHRI V. RAJESHWAR RAO: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the number of 100% export oriented floriculture units in our country;

(b) the total quantities of their exports and their exports earnings;

(c) the response of farmers to Government's efforts to encourage floriculture; and